माँ सिद्धिदात्री आरती लिरिक्स (

माँ सिद्धिदात्री आरती लिरिक्स (
(Maa Siddhidatri Aarti Lyrics)
जय सिद्धिदात्री ,
ओम जय सिद्धिदात्री ।
सर्व सुखो की जननी ुखो की जननी ,
रिद्धि सिद्धिदात्री ।।
ओम जय सिद्धिदात्री ।।
अनिमा गरिमा लघिमा
िमा ,
सिद्धि तिहारी हाथ ।
ी हाथ ।
तू अविचल महामाई चल महामाई ,
त्रिलोकी की नाथ ।।लोकी की नाथ ।।
ओम जय सिद्धिदात्री ।।
शुम्भ निशुम्भ विडारे
े ,
जग है प्रसिद्ध गाथा । गाथा ।
शास्त्र भुजा यानि धरक
क ,
चक्र लियो हाथा ।।
यो हाथा ।।
ओम जय सिद्धिदात्री ।।
तेरी दया बिन रिद्धि िन रिद्धि ,
सिद्धि न हो पाती ।ी ।
सुख समृद्धि देती ी ,
तेरी दया पाती ।।ी ।।
ओम जय सिद्धिदात्री ।।
दुःख दरिद्र विनाशिनी
नी ,
दोष सभी हरना ।
ना ।
दुर्गुणों को संघारकेके,
पावन माँ करना ।।
ना ।।
ओम जय सिद्धिदात्री ।।
नवदुर्गो में मैया गो में मैया ,
नवम तेरा स्थान ।्
थान ।

नौवे नवरात्रे को

ात्रे को ,
करे सब ध्यान ।। ध्यान ।।
ओम जय सिद्धिदात्री ।।
तुम ही जग की माता ा ,
तुम ही हो भरता ।ा ।
भक्तो की दुःख हरता
ा ,
सुख संपत्ति करता ।।ा ।।
ओम जय सिद्धिदात्री ।।
अगर कपूर की ज्योति ि ,
आरती तुम गाये ।ुम गाये ।
छोड़ केतेरा द्वार
,
और कहा जाये ।। कहा जाये ।।
ओम जय सिद्धिदात्री ।।
सिद्धिदात्री माता ा ,
सब दुर्गुण हरना ।ना ।
अपना जान केमैया ,
हमपे कृपा करना ।।ना ।।
ओम जय सिद्धिदात्री ।।
जय सिद्धिदात्री ,
ओम जय सिद्धिदात्री ।
सर्व सुखो की जननी ुखो की जननी ,
रिद्धि सिद्धिदात्री ।।
ओम जय सिद्धिदात्री ।।

माँ सिद्धिदात्री मंत्र (ँसिद्धिदात्री मंत्र (Maa Siddhidatri Mantra)

सिद्ध गन्धर्व यक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि।
।
सेव्यमाना सदा भूयात् सिद्धिदा सिद्धिदायिनी॥नी॥

वन्दे वांछित मनोरथार्थ चन्द्रार्घकृत शेखराम्।ाम्।
कमलस्थितां चतुर्भुजा सिद्धीदात्री यशस्वनीम्॥

नीम्॥